मनोनिदान की विधि के रूप में व्यक्ति अध्ययन विधि

Case study as a method of diagnosis

नैदानिक मनोविज्ञान में सेवार्थी के मनोनिदान के लिए व्यक्ति अध्ययन एक उपयोगी उपकरण है । इस विधि में सेवार्थी के व्यक्तित्व के विभिन्न पक्षों से संबंधित सूचनाएं हासिल की जाती है। यह एक त्रिविमीय प्रक्रिया है। इसमें सेवार्थी या रोगी के भूत, वर्तमान तथा भविष्य के संबंध में अध्ययन किया जाता है और आवश्यक सूचनाएं प्राप्त की जाती हैं। रोगी का अतीत किस प्रकार गुजरा है ? कोई अप्रिय घटना घटी है? माता-पिता से कैसा संबंध रहा है?उनके अपने साथियों के साथ कैसा संबंध रहा है?इत्यादि से संबंधित सूचनाएं प्राप्त की जाती है। यह भी जानने का प्रयास किया जाता है कि व्यक्ति में उस उससे या उसके परिवार के दूसरे सदस्यों को कोई मानसिक विकृति थी या नहीं। इसी तरह रोगी के वर्तमान जीवन से संबंधित सूचनाएं प्राप्त की जाती है। वर्तमान समय में रोगी की स्थिति कैसी है?वह किन किन मानसिक विकृतियों से वर्तमान में पीड़ित है ? परिवार की आर्थिक स्थिति कैसी है? इत्यादि से संबंधित सूचनाएं प्राप्त की जाती है। फिर भविष्य से संबंधित सूचनाओं को प्राप्त करने का प्रयास किया जाता है। रोगी भविष्य में क्या करना चाहता है? इसकी व्यक्तिगत योजना कैसी है? पारिवारिक योजना कैसी है?इन सारी समस्याओं से संबंधित सूचनाएं हासिल की जाती है।

इस प्रविधि में भिन्न-भिन्न सूचनाओं को हासिल करने के लिए कई तरह के स्रोतों का उपयोग किया जाता है।

सूचना का पहला स्रोत रोगी स्वयं होता है। रोग इसे प्रश्न पूछ कर आवश्यक सूचनाएं प्राप्त की जाती हैं। चिकित्सक रोगी का साक्षात्कार करता है और उस के माध्यम से रोगी तथा उसके परिवार, के वर्तमान भूत तथा भविष्य से संबंधित सूचनाएं प्राप्त की जाती हैं। आवश्यकता महसूस होने पर मनोवैज्ञानिक परीक्षणों का उपयोग किया जाता है। जैसे बुद्धि परीक्षण ,अभिक्षमता परीक्षण ,व्यक्तित्व परीक्षण, आविष्कार का इत्यादि का उपयोग किया जा सकता है। सूचना प्राप्त करने का दूसरा स्रोत परिवार होता है। परिवार के सदस्यों से संपर्क स्थापित करके आवश्यक सूचनाएं प्राप्त की जाती हैं। विशेष रूप से रोगी के माता-पिता

Scanned with CamScanner

से साक्षात्कार करके आवश्यक सूचनाएं एकत्र की जाती है। तीसरा स्रोत शिक्षक होते हैं। शिक्षकों का साक्षात्कार किया जाता है और रोगी के संबंध में जानकारी हासिल की जाती है। रोगी का संबंध शिक्षकों के साथ कैसा था? अन्य साथियों के साथ कैसा था?कभी शिक्षालय में असफल हुआ था या नहीं? शिक्षालय की ओर से दंड मिला था या नहीं?इन सारी समस्याओं से संबंधित सूचनाएं हासिल करने का प्रयास किया जाता है। सूचनाओं के हासिल करने का एक वस्तुनिष्ठ स्रोत रोगी से संबंधित विभिन्न records यथा विद्यालय संबंधी रिकॉर्ड, चिकित्सालय संबंधी रिकॉर्ड, पुलिस स्टेशन रिकॉर्ड, न्यायालय रिकॉर्ड इत्यादि का आवश्यकतानुसार सहायता ली जाती है और सेवार्थी के संबंध में सूचनाएं प्राप्त की जाती हैं।

गुण

Merits

व्यक्ति अध्ययन विधि वास्तव में रोगी के मनोनिदान के दृष्टिकोण से काफी उपयोगी विधि है। क्योंकि इसमें कुछ ऐसे गुण हैं जो किसी दूसरे उपकरण में नहीं पाए जाते हैं। समग्र विधि

Comprehensive method

यह एक समग्र उपकरण है। इस विधि केजरीवाल द्वारा रोगी के संबंध में काफी समुद्र सूचनाएं प्राप्त की जाती हैं। सूचनाओं के स्रोत इतने अधिक हैं कि पर्याप्त सूचनाएं हासिल करना संभव होता है। इतना अधिक समग्र कोई दूसरा उपकरण नहीं होता है। समस्यात्मक बच्चे के लिए उपयोगी

Useful for problem children

यह उपकरण समस्यात्मक बच्चों के मनोरंजन के लिए अधिक उपयोगी है। क्योंकि जब समस्यात्मक व्यवहारों का शिकार होता है तो उनके कारणों को निर्धारित करने तथा अनुकूल चिकित्सा विधियों के चयन में यह उपकरण काफी सहायक होता है। ।बस स्टैंड इत्यादि ने कहा है कि समस्यात्मक बच्चों के निरुपम तथा उपचार के लिए यह विधि बहुत उपयोगी है। अपराधी बच्चे के लिए उपयोगी

Useful for delinquent children

यह उपकरण अपराधी बच्चों के मनोनिदान तथा उपचार के लिए काफी उपयोगी है। बच्चे अपराधी क्यों बन गए?तथा उसका उपचार कैसे किया जा सकता है इन दोनों समस्याओं के समाधान में व्यक्ति अत्यंत ही बहुत सफल है। यहां भिन्न-भिन्न स्रोतों के आधार पर होगी के अपराधी होने के कारणों की खोज की जाती है फिर कारणों को दूर करके बच्चों को सामान्य बनाने का प्रयास किया जाता है। इस दृष्टिकोण से यह एक उपयोगी है।

सामाजिक रुप से उदासीन बच्चों के लिए उपयोगी

Useful for sociopathic children

Scanned with CamScanner

यह विधि सामाजिक रूप से उदासीन बच्चों के मनोरंजन के लिए काफी उपयोगी विधि है। कुछ बच्चे सामाजिक रूप से उदासीन हो बन जाते हैं। परिवार तथा समाज के लोगों से अलग रहना पसंद करते हैं। ऐसे बच्चे शिक्षालय में भी दूसरे बच्चों से अलग रहने का प्रयास करते हैं। उसमें सामाजिक पृथक की कारण पाया जाता है। ऐसे बच्चों के मनोनिदान में यह विधि काफी उपयोगी सिद्ध होती है। मनोरोगी बच्चों के लिए उपयोगी

Useful for psychopathic children

यह उपकरण है। इसे बच्चों के मनोरंजन के लिए भी काफी उपयोगी है जो मनोरोगी के शिकार होते हैं। ऐसे बच्चों की पहचान यह है कि वह नैतिकता के दृष्टिकोण से अनुशासन हीन होते हैं। इस तरह के बालकों का निरूपण इस विधि से सफलतापूर्वक किया जा सकता है।

वस्तुनिष्ठ आधार

Objective criteria

एसबीआई का एक दुनिया है कि इसमें वस्तुनिष्ठता का गुण पाया जाता है। यहां बच्चों के जीवन से संबंधित भिन्न-भिन्न तरह के रिकॉर्ड्स का विश्लेषण किया जाता है और इसी आधार पर निरूपण किया जाता है। यह वस्तुनिष्ठता दूसरे विधि में नहीं देखी जाती है।

विश्वसनीयता

Reliability

इस उपकरण में उच्च विश्वसनीयता की संभावना होती है माता-पिता अपने बच्चों के संबंध में सही जानकारी रखते हैं। अतः यदि वह ईमानदारी के साथ सही सूचना दे देते हैं तो विधि की विश्वसनीयता बढ़ जाती है। इसी तरह शिक्षकों की सहायता तथा वस्तुनिष्ठ अभिलेख की सहायता से सही सूचना प्राप्त करना संभव होता है। जिससे विधि की विश्वसनीयता बढ़ जाती है।

दोष

Demerits

कई गुणों के होते हुए भी इस विधि में निम्नलिखित दोष पाए जाते हैं।

आत्मनिष्ठ विधि

Subjective method

इस विधि में आत्म निष्ठ था का गुण देखा जा दोस्त पाया जाता है। यहां इस बात की संभावना बनी रहती है कि सूचना देने वाले से ही सूचना ना देकर गलत सूचना दे दे। ऐसी हालत में रोगी का सही मनोनिदान नहीं हो पाता है। पक्षपात का खतरा

Scanned with CamScanner

Danger of biases

इस विधि में पक्षपातों के प्रभाव की अधिक संभावना रहती है। माता-पिता तथा शिक्षक व्यक्तिगत पक्षपातों से प्रभावित होकर गलत सूचना दे सकते हैं। वैज्ञानिकों के अध्ययन से पता चलता है कि लगभग 60% पिता तथा 80% माताएं अपने बच्चों के संबंध में गलत सूचना देते हैं। इस प्रकार रोगी का सही निदान नहीं हो पाता है। इसी तरह कई कारणों से शिक्षकों के निर्णय तथा अभिलेख भी पक्षपात पूर्ण हो सकते हैं। समय श्रम एवं पैसे की बर्बादी

Time labour and money consuming

यह विधि समय ,श्रम एवं पैसे की वृष्टि कौन से काफी महंगी बिधि है। यहां चिकित्सक को लंबे समय तक कठिन परिश्रम करके सूचना प्राप्त करना होता है, इसमें मुद्रा का खर्च भी अधिक होता है। अतः सभी परिस्थितियों में यह वीडियो क्यों नहीं होती है।

मनोविकृति रोगियों के उपचार में अनुपयुक्त

Inappropriate for treatment of psychotic patient

यह विधि मनोविकृति रोग रोगियों के उपचार में विफल है। जैसे मनोविदलता के रोगी का उपचार इस विधि से संभव नहीं है।

निष्कर्ष के रूप में कहा जा सकता है कि व्यक्ति अध्ययन विधि की विश्वसनीयता तथा वेद्यता सीमित होती है। यदि माता-पिता तथा शिक्षक ईमानदार नहीं होती हैं तो ऐसी स्थिति में सही सूचना प्राप्त नहीं होती है, जिससे इसके विश्वसनीयता तथा वेद्यता असीमित बन जाती है। अतः इस विधि का उपयोग मनोनिदान के उद्देश्य से केवल एक पूरक विधि के रूप में किया जाना चाहिए।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश

विद्यार्थियों को निर्देशित किया जाता है कि दिए गए पाठ को ध्यानपूर्वक पढ़ें ,समझें और अपनी भाषा में लिखने का प्रयास करें। यह पाठ परीक्षा के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। किसी तरह की कठिनाई होने पर हमें व्हाट्सएप पर संपर्क करें ।

समाप्त

Scanned with CamScanner